Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

**Paper Code**
**BD-101**

# पतंजलि विश्वविद्यालय

# University of Patanjali

**Examination Jan. – Feb. – 2022**

**B.A. Darshan, Semester : First**
**दर्शन : प्रश्न-पत्र : प्रथम**
**योगदर्शन**

**Time: 3 Hours** **Max. Marks: 70**

---

**नोट :** यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

## खण्ड-क
## (दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. यम और नियम के अनुष्ठान का क्या फल होता है? प्रमाण सहित लिखें।
2. विभूतिपाद में किन-किन सिद्धियों का वर्णन किया गया है, संक्षेप में सूत्र सहित लिखें।
3. योगदर्शन के प्रथमपाद में कितने प्रकार की समाधियों का वर्णन किया गया है? प्रमाणपूर्वक उल्लेख करें।
4. क्लेश से आपका क्या अभिप्राय है? इसके विभिन्न रूपों पर प्रकाश डालिए।
5. कैवल्यपाद का सारांश वर्णन करें।

## खण्ड-ख
## (लघु-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(5×5=25)**

6. अभ्यास, वैराग्य से अतिरिक्त चित्तवृत्तियों को रोकने हेतु कोई पाँच (05) उपाय बतायें।
7. योगदर्शन में प्रतिपादित वेदोक्त तीन अनादि तत्त्वों का संक्षिप्त वर्णन करें।
8. निम्नलिखित सूत्रों के आगे पांच-पांच सूत्र लिखें।

   (क) एकसमये चोभयानवधारणम्। (ख) तस्य हेतुरविद्या।
9. योगदर्शन के अनुसार अन्तराय क्या है? प्रमाणसहित संक्षेप में वर्णन करें।
10. "वितर्कबाधने प्रतिपक्षभावनम्" इस सूत्र की विस्तार से व्याख्या करें।
11. योगदर्शन की दैनिक जीवन में व्यावहारिक उपयोगिता पर प्रकाश डालिए।
12. योगदर्शन में विविध सूत्रों में वर्णित "कैवल्य" के स्वरूप का वर्णन करें।

----------X----------